TO PROMOTE THE INDUSTRY SECTOR

624. **DR. KRISHAN LAL MIDDHA, M.L.A.:** Will the Deputy Chief Minister be pleased to state:-

a) the steps taken by the Government to promote the Industry Sector in the Jind district; and

b) whether it is a fact that there is lack of basic facilities in HSIIDC area in Jind; if so, the steps taken by the Government in this regard?

Reply: **DUSHYANT CHAUTALA, Deputy Chief Minister, Industries & Commerce, Minister, Haryana.**

Sir,

a) The HSIIDC developed Industrial Estate Jind in the year 1981. A total of 78 no. of Industrial plots of different sizes were carved out and all the plots have been allotted. Further the HSIIDC developed Industrial Estate, Narwana, Distt. Jind, in the year 2008 and carved out 230 No. of Industrial Plots of different sizes, out of which, the Corporation has allotted 165 industrial plots and 65 plots are available for allotment.

It is also to be mentioned here that a total of 13 Udyog Kunjs were setup in various Districts in the state and one of them is Udyog Kunj, Shadipur Julana, Distt. Jind. The HSIIDC was entrusted with the responsibility for setting up Udyog Kunj in the state by developing plots and sheds. The Corporation carved out 55 No. of plots & 10 no. of sheds in Udyog Kunj, Shadipur Julana out of which 49 no. of plots & 6 No. of sheds have been allotted.

b) In respect of basic facilities in HSIIDC area in Jind, it is mentioned that to improve basic infrastructure /upgrade the infrastructure facilities i.e. roads, water supply, sewerage, storm water drainage in HSIIDC area at I.E. Jind, work amounting to Rs. 2.47 crores was awarded, which is in progress. 55% work has been completed at site and the balance will be completed by 31.05.2022. A Common Effluent Treatment Plant (CETP) of 100 KLD capacity is functional. Further, a new CETP of 500 KLD capacity at an estimated cost of Rs. 3.16 crores has been proposed for which tenders have been received and are under evaluation.

उद्योग सैक्टर को उन्नत करना

624. डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा विधायकः क्या उपमुख्यमंत्री महोदय बताने का कष्ट करेंगे।

क) जींद जिले में उद्योग सैक्टर को उन्नत करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमः तथा

ख) क्या यह सच है कि जींद में एच.एस.आई.आई.डी.सी. में मूल सुविधाओं की कमी है, यदि ऐसा है, तो इस बारे में सरकार द्वारा उठाए गए कदम ?

उत्तरः–

श्री दुष्यंत चौटाला, उप–मुख्यमंत्री, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री, हरियाणा सरकार

(क) एच.एस.आई.आई.डी.सी. ने वर्ष 1981 में औद्योगिक सम्पदा जीन्द विकसित की थी। एच.एस.आई.आई.डी.सी. ने विभिन्न आकार के कुल 78 औद्योगिक प्लाट काटे थे तथा सभी प्लाट आवंटित कर दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, एच.एस. आई.आई.डी.सी. ने वर्ष 2008 में औद्योगिक सम्पदा, नरवाना, जीन्द में विकसित की थी तथा विभिन्न आकार के 230 औद्योगिक प्लॉट काटे गए हैं जिसमें से निगम ने 165 औद्योगिक प्लॉट आवंटित किए हैं तथा 65 प्लॉट आवंटन के लिए उपलब्ध हैं। यह भी वर्णित किया जाता है कि राज्य में विभिन्न जिलों में कुल 13 उद्योग कुंज स्थापित किये थे उनमें से एक उद्योग कुंज शादीपुर, जुलाना, जिला जीन्द है। एच.एस.आई.आई.डी.सी. को प्लाटों तथा शैडों को विकसित करके राज्य में उद्योग कुंज की स्थापना करने के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई थी। निगम में उद्योग कुंज, भादीपुर, जुलाना में 55 नं0 प्लॉट तथा 10 नं0 शैड उत्कीर्ण किए जिनमें से 49 नं0 प्लाट तथा 6 नं0 शैड आवंटित कर दिए गए हैं।

(ख) जींद में एच.एस.आई.आई.डी.सी. क्षेत्र में मूल सुविधाओं के बारे में, यह वर्णित किया जाता है कि मूल अवसंरचना का सुधार करने /अवसंरचना सुविधाओं को उन्नत करना अर्थात आई.ई. में एच.एस.आई.आई.डी.सी. क्षेत्र में सडकें, जल आपूर्ति, मलजल, वर्षा पानी निकास उन्नत करने के लिए 2.47 करोड रूपए की राषि का कार्य दिया गया था, जो कि प्रगति में है। स्थल पर 55 प्रतिषत कार्य

पूरा हो गया है तथा बाकी का कार्य 31.05.2022 तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, 3.16 करोड रूपए की अनुमानित लागत पर 500 के.एल.डी. क्षमता का एक नया सी.ई.टी.पी. प्रस्तावित किया गया है। जिसके लिए निविदाए प्राप्त हो गई हैं तथा मूल्यांकन के अधीन है।